

जँचवाना 2. किसी वस्तु को देने या सौंपते हुए उसे संभालना, सहेजवाना।

परखी स्त्री. (देश.) लोहे का नुकीला तथा लंबा उपकरण, जिससे बंद बोरी से गेहूँ चावल-चीनी आदि निकालकर परखे जाते हैं।

परखैया वि. (देश.) परखने वाला, जाँचने वाला।

परगटना अ.क्रि. (तद्.) प्रगट होना, जाहिर होना, खुलना **स.क्रि.** प्रकट करना, जाहिर करना।

परगना पुं. (फा.) ऐसा भू-भाग जिसमें अनेक गाँव हो।

परगहनी स्त्री. (तद्.) 1. सुनारों का एक उपकरण, जो नजली के आकार का होता है तथा जिसमें लकड़ी की डंडी लगी रहती है इस नली में तेल डालकर उसमें सोने-चाँदी की गुल्लियों को ढाला जाता है।

परगामी वि. (तत्.) 1. किसी अन्य के साथ गमन करने वाला 2. दूसरे के लिए हितकर।

परचना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी से घनिष्ठता होना, हिल-मिल लेना, अंतरंगता होना 2. व्यवहार में किसी प्रकार का संकोच न होना **यथा-** बच्चे नई जगह तंग करते हैं पर परच जाने पर कठिनाई नहीं होती 3. बिना बाधा या रोकटोक के कोई बात अपने अनुकूल होते जाना तथा उसके प्रति किसी आशा से अग्रसर या उन्मुख होना, चसका लगना **यथा-** इस कुत्ते को भला ही कुछ मत दो, पर परचने के कारण नियमित रूप से आता है 4. प्रगट होना, व्यक्त होना।

परचा पुं. (फा.) 1. कागज का टुकड़ा, चिट, कागज का पुर्जा 2. खत, रुक्का, चिट्ठी 3. परीक्षा में प्राप्त होने वाला प्रश्नपत्र **यथा;** सार्थक का गणित का पर्चा बिगड़ गया 4. समाचार पत्र 5. कोई ऐसा मुद्रित कागज या सूचना पत्र जो लोगों में बाँटा जाता है **पुं.** (देश.) 1. परिचय, जानकारी **मुहा.** परचा देना- ऐसा लक्षण या चिह्न बताना जिसे लोग मान ले 2. परख, जाँच, परीक्षा 3. प्रमाण, सबूत।

परचाधारी वि. (तद्.) प्रधान, श्रेष्ठ, अपना विशिष्ट परिचय रखने वाले।

परचाना पुं. (तद्.) 1. परचने में किसी को प्रवृत्त करना 2. किसी से मेल-मिलाप बढ़ाकर घनिष्ठता स्थापित करना, उसके हृदय का संकोच दूर करना 3. किसी को कुछ खिला-पिलाकर या देकर आकर्षित करना।

परची स्त्री. (फा.) कागज का छोटा टुकड़ा, छोटा परचा, कागज की छोटी पर्ची जिस पर कोई सूचना या ज्ञातव्य बात लिखी हो।

परचून पुं. (तद्.) दाल, चावल, आटा, नमक तथा मसाले आदि भोजन पदार्थों का फुटकर सामान **यथा** परचून की दुकान **वि.** फुटकर, खुदरा।

परचूनी पुं. (तद्.) 1. परचून की दुकान वाला, दाल, आटा नमक आदि बेचने वाला बनिया 2. परचून या परचूनी का काम या भाव।

परचै पुं. (तद्.) दे. परिचय, परचा।

परछत्ती स्त्री. (देश.) 1. घर के अंदर सामान रखने की एक पाटन, टाँड 2. दीवारों पर रखा जाने वाला हलका छप्पर 3. फूस आदि की छाजन।

परछन स्त्री. (तद्.) 1. विवाह के अवसर की एक रीति या लोकाचार जिसमें वधू पक्ष की स्त्रियों वर को दही तथा अक्षत का टीका लगाती हैं तथा मूसल और बट्टा उसके ऊपर से घुमाती हैं 2. द्वार पर वर की आरती उतारने की रीति।

परछना पुं. (तद्.) द्वार पर बारात पहुँचने के समय वधू पक्ष की स्त्रियों द्वारा वर की आरती उतारना, परछन करना।

परछाँड़ पुं. (देश.) दे. परछाँड़।

परछा पुं. (तद्.) 1. कोल्हू के बैल की आँखों पर तेली द्वारा अँघोटी बाँधने वाला कपड़ा 2. एक प्रकार की नली या फिरकी जिस पर जुलाहे सूत लपेटते हैं, धिरनी 3. मिट्टी का मध्य आकार का बरतन 4. कड़ाही 5. बड़ा देग, बड़ी बटलोई 6. अत्यधिक भीड़-भाड़ में से कुछ लोगों या वस्तुओं के निकल जाने से बन जाने वाला अवकाश या स्थान, भीड़ का छँटा जाना।